https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

5. एजाथओप्रनि

5.1 ववरण

एजाथओप्रनि प्रतरिोध को कम करने वाली दवा है।
यह दवा DNA के उत्पादन को रोकती है जो की कोशकिाओं के वभिाजन के लएि जरूरी होता है।

5.2 डोज / देने का तरीका

यह दवा खाने वाली गोली के रूप में २-३ मग्रिा / की ग्रा प्रतदिनि (अधकितम १५ मग्रि प्रतदिनि) के डोज में दी जाती है।

5.3 बुरे प्रभाव

एजाथओप्रनि साइक्लोफोस्फामाइड की तुलना में बेहतर है फरि भी इसके कुछ बुरे प्रभाव है जनिकी समय पर पूरी तरह से जाँच होना चाहएि। पेट संबंधी समस्यां (मुहँ के छाले, उलटी, दस्त तथा पेट दर्द) आम नहीं है। सफेद रक्त कणकिाओं की संख्या कम हो सकती है तथा यह डोज संबंधी होती है। लाल रक्त कणकिाओं तथा प्लेटलेट की संख्य पर अधकि प्रभाव नहीं होता है। लगभग १०% मरीजों में रक्त संबंधी समस्या (कणकिाओं की संख्या में कमी) का खतरा अधकि होता है जो एक जेनेटकि खराबी (थयोपुरनि मीथाईलट्रांसफेरेज\ TPMT की कमी) जेनेटकि पोलमिोर्फसिम के कारण होता है। इसकी जाँच इलाज शुरू करने से पहले की जा सकती है तथा ७-१० दनि बाद खून की जाँच करना चाहएि और उसके बाद नयिमति रूप से महीने में एक बार करना चाहएि।
लम्बे समय तक एजाथओप्रनि के उपयोग से कैंसर का खतरा बताया गया है लेकनि अभी तक उसका कोई प्रमाण नहीं मलिा है।
दूसरी दवाओं की तरह एजाथओप्रनि से भी इन्फेक्शन (खास तोर पर हरपीज जोस्टर) का खतरा बढ़ जाता है।

5.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोग में उपयोग
जुवेनाइल सिस्टेमिक लुपस एरथिमतोसिस
कुछ पीडियाट्रिक सिस्टमिक वास्कुलटिीस

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov